



बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371

+91 85442 99526

<https://biharfoundation.bihar.govt.in>



सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन
आषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादशी शुक्रवार विक्रम संवत् 2079 | 24 जून 2022



6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

JKDESIGN 8369994118

1

पटना को आज मिलेगी तीन सौगात

सीएम नीतीश कुमार करेंगे लोकार्पण

1 जेपी गंगा पथ : पहले चरण में दीघा से पीएमसीएच तक का होगा शुभारंभ

2 मीठापुर एलिवेटेड पर वाहनों का परिचालन शुरू होने से होगी सहूलियत

3 अटल पथ फेज-दो आम जनता के लिए खुल जाएगा



सुविधा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को गंगा किनारे बन रहे जेपी गंगा पथ, अटल पथ फेज-दो और मीठापुर आरओवी के मीठापुर छोर का लोकार्पण करेंगे।

मुंबई की तर्ज पर पटना में गंगा किनारे बन रहे जेपी गंगा पथ के प्रथम फेज का

काम पूरा हो गया है। दीघा से पीएमसीएच तक बने इस सड़क की लंबाई 7.4 किमी है। इस मौके पर पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन भी मौजूद रहेंगे। जेपी गंगा पथ (गंगा एक्सप्रेस वे) पटना की आठ सड़कों से जुड़ेगा। यह सड़क सबसे अधिक अशोक राजपथ से वाहनों के भार को कम करेगा। वैसे तो शहर के आठ जगहों पर इस सड़क की कनेक्टिविटी रहेगी।

अशोक राजपथ जाने की जरूरत नहीं होगी : पहले चरण में 7.5 किमी एक्सप्रेस-वे का शुभारंभ होना है। इससे दीघा से पीएमसीएच पहुंचने में सिर्फ पांच मिनट लगेगा। इसके अलावा गांधी मैदान से पीएमसीएच पहुंचना भी आसान हो जाएगा। एक्सप्रेस वे की शुरुआत होने पर गांधी मैदान से सीधे पीएमसीएच पहुंचा जा सकता है। अशोक राजपथ जाने की जरूरत नहीं

होगी। यह सड़क अशोक राजपथ के अलावा दीघा से राजापुर पुल इलाके के लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि एलसीटी घाट के पास एक्सप्रेस वे से अभी कनेक्टिविटी नहीं हो पाई है। तीन माह बाद उसका शुभारंभ होगा। अटल पथ जाने वाले लोगों को पहले पुराने अशोक राजपथ से आना पड़ता था, लेकिन अब एक्सप्रेस वे से जा सकेंगे। इसी प्रकार बाइपास, सोनपुर

और हाजीपुर से आने वालों के लिए भी एक्सप्रेस वे काफी कारगर होगा। दीदारगंज से फतुहा की ओर से आने वाले वाहनों के लिए भी सफर सुगम होगा। नालंदा की ओर से आने वाले वाहनों को गंगा एक्सप्रेसवे के माध्यम से भोजपुर की ओर निकलना आसान हो जाएगा। यह एक्सप्रेसवे जेपी सेतु और गांधी सेतु को भी आपस में कनेक्ट करेगा।



सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 24.06.2022 | पृष्ठ सं० 02

आधार मिलता है वह अपने अस्तित्व का विलय कर देता है। अपने अस्तित्व का विलीन हो जाता है और इसी विलय के रूप में हरियाली के रूप में, किसानों के चेहरों पर मुस्कान के रूप में, सामाजिक-सांस्कृतिक बंधनों में नये सींग मिलन जो आध्यात्मिक गुरुओं के लिए आत्मा-परमात्मा के लिए सौंदर्य की नयी परिभाषा रचने का माध्यम। जब भी पहली बार धरती पर गिरती है तो मन मयूर नाच उठता है। धरासे पशु एक नया रंग आने लगता है, एक नयी कला का संसार है।

आधार मिलता है वह अपने अस्तित्व का विलय कर देता है। अपने अस्तित्व का विलीन हो जाता है और इसी विलय के रूप में हरियाली के रूप में, किसानों के चेहरों पर मुस्कान के रूप में, सामाजिक-सांस्कृतिक बंधनों में नये सींग मिलन जो आध्यात्मिक गुरुओं के लिए आत्मा-परमात्मा के लिए सौंदर्य की नयी परिभाषा रचने का माध्यम। जब भी पहली बार धरती पर गिरती है तो मन मयूर नाच उठता है। धरासे पशु एक नया रंग आने लगता है, एक नयी कला का संसार है।

आधार मिलता है वह अपने अस्तित्व का विलय कर देता है। अपने अस्तित्व का विलीन हो जाता है और इसी विलय के रूप में हरियाली के रूप में, किसानों के चेहरों पर मुस्कान के रूप में, सामाजिक-सांस्कृतिक बंधनों में नये सींग मिलन जो आध्यात्मिक गुरुओं के लिए आत्मा-परमात्मा के लिए सौंदर्य की नयी परिभाषा रचने का माध्यम। जब भी पहली बार धरती पर गिरती है तो मन मयूर नाच उठता है। धरासे पशु एक नया रंग आने लगता है, एक नयी कला का संसार है।

आधार मिलता है वह अपने अस्तित्व का विलय कर देता है। अपने अस्तित्व का विलीन हो जाता है और इसी विलय के रूप में हरियाली के रूप में, किसानों के चेहरों पर मुस्कान के रूप में, सामाजिक-सांस्कृतिक बंधनों में नये सींग मिलन जो आध्यात्मिक गुरुओं के लिए आत्मा-परमात्मा के लिए सौंदर्य की नयी परिभाषा रचने का माध्यम। जब भी पहली बार धरती पर गिरती है तो मन मयूर नाच उठता है। धरासे पशु एक नया रंग आने लगता है, एक नयी कला का संसार है।

आधार मिलता है वह अपने अस्तित्व का विलय कर देता है। अपने अस्तित्व का विलीन हो जाता है और इसी विलय के रूप में हरियाली के रूप में, किसानों के चेहरों पर मुस्कान के रूप में, सामाजिक-सांस्कृतिक बंधनों में नये सींग मिलन जो आध्यात्मिक गुरुओं के लिए आत्मा-परमात्मा के लिए सौंदर्य की नयी परिभाषा रचने का माध्यम। जब भी पहली बार धरती पर गिरती है तो मन मयूर नाच उठता है। धरासे पशु एक नया रंग आने लगता है, एक नयी कला का संसार है।

आधार मिलता है वह अपने अस्तित्व का विलय कर देता है। अपने अस्तित्व का विलीन हो जाता है और इसी विलय के रूप में हरियाली के रूप में, किसानों के चेहरों पर मुस्कान के रूप में, सामाजिक-सांस्कृतिक बंधनों में नये सींग मिलन जो आध्यात्मिक गुरुओं के लिए आत्मा-परमात्मा के लिए सौंदर्य की नयी परिभाषा रचने का माध्यम। जब भी पहली बार धरती पर गिरती है तो मन मयूर नाच उठता है। धरासे पशु एक नया रंग आने लगता है, एक नयी कला का संसार है।



उद्योगों के सॉफ्टवेयर में दक्ष होंगे इंजीनियरिंग विद्यार्थी

पटना। उद्योगों द्वारा उपयोग किये जा रहे सॉफ्टवेयर में सूबे के इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र व छात्राएं तकनीकी रूप से दक्ष बनेंगे। इसे सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान एवं प्रावैधिक विभाग ने 15 सदस्यीय तकनीकी विशेषज्ञ कमेटी गठित की है। यह कमेटी इंजीनियरिंग कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बेहतरी के लिए और भी कई आवश्यक कार्य करेगी और विभाग को अपनी अनुशंसा भेजेगी।

विभागीय पदाधिकारी बताते हैं कि उद्योग की मांग के अनुरूप रोजगार के अवसर बढ़ाए जाने के मकसद के तहत कई पहल राज्य में की गई है। इसी में एक है उद्योगों द्वारा उपयोग किये जा रहे सॉफ्टवेयर में यहां के विद्यार्थियों को दक्ष बनाना। ताकि, वे पढ़ाई पूरी करने के बाद बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकें। यह कमेटी संकायवार महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर का चयन करेगी और इसकी खरीद की पहल भी

आईआईटी-एनआईटी के प्राध्यापक कमेटी में

विज्ञान एवं प्रावैधिक विभाग के निदेशक की अध्यक्षता में यह कमेटी काम करेगी। इसमें आईआईटी पटना, एनआईटी पटना समेत राज्य के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्राध्यापक को सदस्य बनाया गया है।

करेगी। इंजीनियरिंग कॉलेजों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए भी यह कमेटी आवश्यक कदम उठाएगी। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) के मापदंड के अनुसार इंजीनियरिंग कॉलेजों में संचालित स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में उच्च गुणवत्ता को मॉटेन रखने में यह कमेटी सहयोग करेगी। मालूम हो कि राज्य सरकार के अधीन सूबे में 38 इंजीनियरिंग कॉलेजों का संचालन किया जा रहा है।





बच्चों, महिलाओं के हितों को पूरा करने में यूनिसेफ का सहयोग अहम

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार के अपने पहले दौर पर आई यूनिसेफ इंडिया की उप प्रतिनिधि (आपरेशन) लाना काटाव ने गुरुवार को मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से अलग-अलग मुलाकात की। मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने राज्य सरकार द्वारा बच्चों की बेहतरी के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में यूनिसेफ के निरंतर सहयोग की सराहना की है। कहा, राज्य और देश का बेहतर भविष्य हमारे बच्चों और किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण में निहित है।

मुख्य सचिव ने इस मुलाकात में 18 साल से कम उम्र की बिहार की



आमिर सुबहानी

46 प्रतिशत आबादी के अधिकारों और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि राज्य और देश का बेहतर भविष्य हमारे बच्चों और किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण में निहित है। लाना काटाव ने विभिन्न योजनाओं के जरिए बाल अधिकारों को संरक्षित एवं सुनिश्चित करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने चलाए जा रहे कार्यक्रमों के अपेक्षित परिणामों में तेजी लाने के लिए प्रधान सचिव के नेतृत्व में प्रमुख विभागों के बीच समन्वय पर जोर दिया।



कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा 25 हजार क्षमता का परीक्षा भवन

राज्य का सबसे बड़ा परीक्षा भवन पटना में

पटना, प्रधान संवाददाता। एक ही छत के नीचे 25 हजार छात्र परीक्षा दे सकेंगे। पटना के कुम्हार में राज्य के सबसे बड़े परीक्षा हॉल का निर्माण कराया जा रहा है। यह जून 2023 में बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें मैट्रिक और इंटरमीडिएट के अलावा प्रतियोगी परीक्षाएं भी कराई जाएंगी। मैट्रिक परीक्षा के दौरान बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को कई जगहों पर परीक्षा केंद्र बनाना पड़ता था, जिससे परीक्षार्थियों और आयोजकों को भी परेशानी होती थी। अगले साल से यह समस्या दूर हो जाएगी।

यह भवन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से बनाया जा रहा है। भवन 5.42 एकड़ (21 हजार 956 वर्गमीटर) में बनाया जा रहा है। इसमें बैठने वाला एरिया 55 हजार 832 वर्गमीटर में होगा। कुम्हार में निर्माणाधीन भवन को भवन निर्माण विभाग के अभियंताओं की देखरेख में बनाया जा रहा है। इसमें तीन टावर बनाए जाएंगे, जिसमें ए, बी और सी



ये है खास

क्षेत्रफल : 5.42 एकड़
लागत : 263 करोड़
कार्य प्रारंभ करने की तिथि : 24 सितंबर 2020

कार्य समाप्ति की तिथि : 18 महीने
लॉक की स्थिति- जी 4, ए, बी और सी
बैरक भवन : 56 पुलिस बल के रहने की व्यवस्था

होगा। इसके अलावा जी प्लस 3 आवासीय भवन भी बनाया जा रहा है, जो वन बीएचके का होगा। यहां के कर्मचारियों के रहने के लिए आवास बनाया जा रहा है। भवन में आधुनिक सुविधाएं भी रहेंगी। भवन की डिजाइन ऐसी है जिसमें 20 हजार परीक्षार्थी

ऑफलाइन तथा पांच हजार ऑनलाइन परीक्षा दे सकेंगे। भवन निर्माण का कार्य करने वाली एजेंसी दीपांशु प्रमोटर एंड बिल्डर प्राइवेट लिमिटेड रांची है। इंजीनियरों का कहना है कि कार्य की गुणवत्ता का ख्याल रखते हुए जून तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।



सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 24.06.2022 | पृष्ठ सं० 04

पटना में कुम्हार में 25 हजार क्षमता का परीक्षा भवन बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है।

यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है।

यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है। यह भवन कुम्हार में 5.42 एकड़ में बन रहा है।



Govt bid to resume toy train service at zoo

Faryal.Rumi@timesgroup.com

Pramod Sharma

Patna: Visitors, especially children, are up for a treat as the state environment, forest and climate change department has been exploring the possibility of restarting the defunct toy train at Sanjay Gandhi Biological Park, commonly known as Patna zoo. The joy ride had come to a halt after an engine broke down in 2014.

The department has decided to give the responsibility of resuming the toy train service at the zoo to the East Central Railway (ECR). A survey will be conducted by the engineering team of ECR to check the condi-



The toy train service at Patna zoo had been suspended in 2014

JOY RIDE

tion of the track. A decision in this regard was taken at a meeting of principal chief conservator of forest (development) C P Khanduja with Patna zoo and senior ECR officials on Wednesday.

Surendra Singh, director of ecology, said the railways would carry out the survey on toy train soon. "As it is related to public transportation, we have to take engineering, security and safety parameters into account. We want the railways to take up the pro-

ject of resumption of toy train service. Earlier also, the toy train was maintained by the railways," he added.

Singh said depending on the condition of the track, the team will decide whether it will be repaired or new track will be laid. "For repair and maintenance work, about Rs 2-3 crore will be spent. The existing track is of wood sleeper, which is outdated. The other proposal is to construct a new track by following the new guidelines of Central Zoo

Authority of India. The new track, if needed, will be laid behind the animal enclosures, so that the inmates do not face any trouble. The estimated cost for this project will be Rs 12-15 crore," he added.

The 3.5-km-long toy train track has narrow gauge and wooden sleeper, which need to be replaced with new technology. "The existing track passes through animal enclosures, two lakes and botanical area," an official said.



सौजन्य से टाइम्स ऑफ इंडिया | पटना | 24.06.2022 | पृष्ठ सं० 01



बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	491
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	116
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	34
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,49,28,334
⇒ कम से कम एक डोस	7,10,65,800
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,11,42,991





बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर



कतर



दक्षिण कोरिया



जापान



हॉंग कॉंग



यू.ए.ई.



सिंगापुर



बहरीन



न्यूजीलैंड



कनाडा



यू.एस.ए.



ऑस्ट्रेलिया



सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर



मुम्बई

हैदराबाद

पुणे

चेन्नई

नागपुर

गुजरात

कोलकाता

वाराणसी

गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउन्डेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान में बिहार फाउन्डेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं। बिहार फाउन्डेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration

पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

<https://biharfoundation.bihar.gov.in>